ग्रामीण श्रमिकों की दशा को सुधारने के उपाय

1300. श्री राम जेठमलानी :
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि ग्रामीण अंचलों में कार्यरत श्रमिकों का कोई मान्यता प्राप्त संगठन नहीं है तथा उनकी आर्थिक दशा बहुत ही शोचनीय है ;

(ख) यदि हां, तो क्या इन श्रमिकों की दशा को सुधारने के लिए कोई उपचारी कदम उठाये गये हैं ;

(ग) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है और इसके क्या परिणाम निकले हैं ; और

(घ) सरकार की इस सम्बन्ध में भावी योजना क्या है ?

श्रम और कल्याण मंत्री (श्री राम विलास पासवान) : (क) से (घ) यह सच है कि ग्रामीण श्रम बल का बहुत बड़ा भाग असंगठित है और इनका ट्रेड यूनियनों, आदि द्वारा प्रतिनिधित्व नहीं किया जाता है। तथापि, पिछले दो दशकों के दौरान, अनेक संगठनों, पंजीकृत ट्रेड यूनियनों और स्वैच्छिक संगठनों दोनों ने देश के विभिन्न राज्यों में ग्रामीण श्रम बल को संगठित करने के विभिन्न प्रयास किए हैं। ग्रामीण कर्मकारों के इन कुछ संगठनों को सरकार द्वारा मान्यता प्रदान की गई है और इन्होंने सरकार द्वारा आयोजित गोष्ठियों, विचार-विमर्शों और कार्यक्रमों में भाग लिया है। यह भी सत्य है कि हमारे ग्रामीण कर्मकारों का बहुत बड़ा भाग गरीबी रेखा से नीचे रहा है। तथापि, कृषि तथा सम्बद्ध कार्यकलापों में सुधार से संबंधित विभिन्न विकास उपायों को प्रारंभ करने और विभिन्न गरीबी-निवारण कार्यक्रमों को लागू करने से विभिन्न योजना अवधियों के दौरान गरीबी में निरंतर कमी हुई है। योजना आयोग द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार, गरीबी अनुपात 1984–85 में 37% से कम होकर 1989–90 में 26% से भी कम हो गया है। सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की आर्थिक दशा में सुधार करने के अपने प्रयासों को जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्प है और इसने भविष्य में ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए अतिरिक्त निधियां निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

Modernisation of edible oil processing technology

1301. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state:

(a) whether any proposal is under Government's consideration for modernisation of edible oil processing technology;

(b) if so, the details thereof; and

(c) whether there are any possibilities of achieving self-reliance in vegetable oil production by such modernisation?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI NATHU RAM MIRDHA); (a) and (b) Government has submitted a detailed action plan for modernisation of vegetable oil industry. Some of the areas which have been stressed upon are increasing production of rice bran oil through modernisation of huller rice mills, setting up of modern integrated plants in respect of processing of oil bearing material like groundnut, mustard, soyabean, rice bran, cottonseed, etc., setting up of detoxification facib'ties for export promotion, creation of scientific storage facilities iso as to minimise spoilage/deterioration of the oil bearing materials etc.